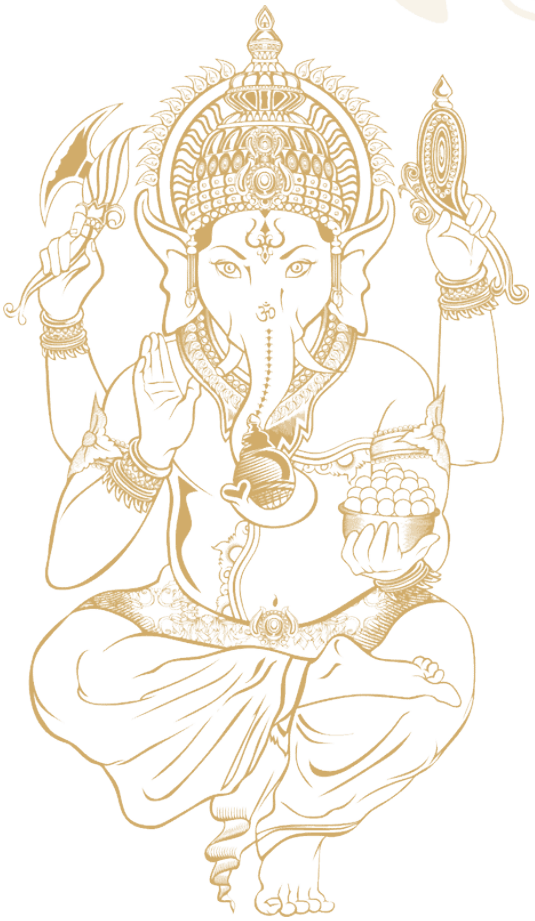

Manish Jain

21 Mar 1998

09:55 PM

Pushkar River

Model: web-freekundliweb

Order No: 121470602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/1998**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:55:00 घंटे**
इष्ट	38:19:23 घटी
स्थान	**Pushkar River**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	74:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:23:24 घंटे
वेलान्तर	-00:07:17 घंटे
साम्पातिक काल	09:19:20 घंटे
सूर्योदय	06:35:14 घंटे
सूर्यास्त	18:42:57 घंटे
दिनमान	12:07:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:01:06 मीन
लग्न के अंश	20:13:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:13:29	312:21:34	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			मीन	07:01:06	00:59:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	11:22:33	12:57:52	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मीन	19:15:48	00:45:52	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	मित्र राशि
बुध			मीन	25:14:33	00:47:15	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	16:58:41	00:14:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	20:41:35	00:56:33	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	26:39:47	00:07:19	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु			सिंह	16:31:05	00:01:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	16:31:05	00:01:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:37:46	00:02:34	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:48:56	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	14:12:07	00:00:21	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	23:33:24	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:50

लग्न-चलित

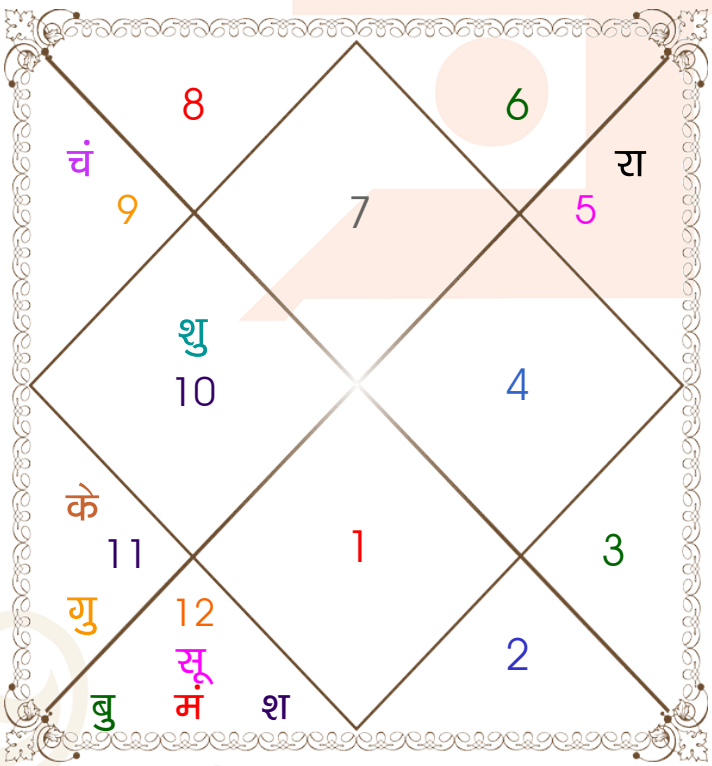

चन्द्र कुंडली

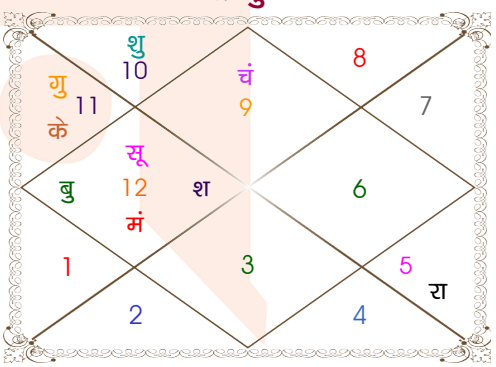

नवमांश कुंडली

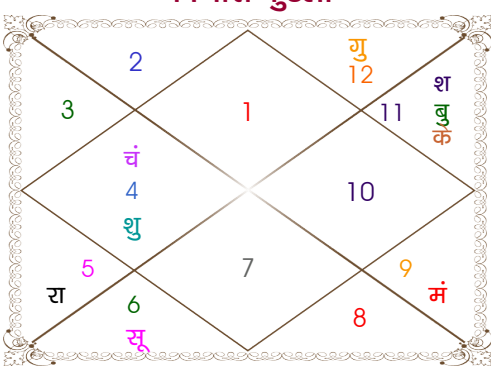

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 0 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/03/1998		01/04/1999		01/04/2019		31/03/2025		01/04/2035	
01/04/1999		01/04/2019		31/03/2025		01/04/2035		01/04/2042	
	00/00/0000	शुक्र	31/07/2002	सूर्य	19/07/2019	चंद्र	30/01/2026	मंगल	28/08/2035
	00/00/0000	सूर्य	01/08/2003	चंद्र	18/01/2020	मंगल	31/08/2026	राहु	14/09/2036
	00/00/0000	चंद्र	31/03/2005	मंगल	25/05/2020	राहु	01/03/2028	गुरु	21/08/2037
	00/00/0000	मंगल	31/05/2006	राहु	19/04/2021	गुरु	01/07/2029	शनि	30/09/2038
	00/00/0000	राहु	31/05/2009	गुरु	05/02/2022	शनि	30/01/2031	बुध	27/09/2039
	00/00/0000	गुरु	30/01/2012	शनि	18/01/2023	बुध	30/06/2032	केतु	23/02/2040
	21/03/1998	शनि	01/04/2015	बुध	24/11/2023	केतु	29/01/2033	शुक्र	25/04/2041
शनि	04/04/1998	बुध	30/01/2018	केतु	31/03/2024	शुक्र	30/09/2034	सूर्य	30/08/2041
बुध	01/04/1999	केतु	01/04/2019	शुक्र	31/03/2025	सूर्य	01/04/2035	चंद्र	01/04/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/04/2042		31/03/2060		31/03/2076		01/04/2095		01/04/2112	
31/03/2060		31/03/2076		01/04/2095		01/04/2112		00/00/0000	
राहु	12/12/2044	गुरु	19/05/2062	शनि	04/04/2079	बुध	27/08/2097	केतु	28/08/2112
गुरु	07/05/2047	शनि	30/11/2064	बुध	12/12/2081	केतु	25/08/2098	शुक्र	28/10/2113
शनि	13/03/2050	बुध	07/03/2067	केतु	21/01/2083	शुक्र	25/06/2101	सूर्य	05/03/2114
बुध	30/09/2052	केतु	11/02/2068	शुक्र	22/03/2086	सूर्य	02/05/2102	चंद्र	04/10/2114
केतु	18/10/2053	शुक्र	12/10/2070	सूर्य	04/03/2087	चंद्र	01/10/2103	मंगल	02/03/2115
शुक्र	18/10/2056	सूर्य	01/08/2071	चंद्र	03/10/2088	मंगल	28/09/2104	राहु	20/03/2116
सूर्य	12/09/2057	चंद्र	30/11/2072	मंगल	12/11/2089	राहु	17/04/2107	गुरु	24/02/2117
चंद्र	14/03/2059	मंगल	05/11/2073	राहु	17/09/2092	गुरु	23/07/2109	शनि	22/03/2118
मंगल	31/03/2060	राहु	31/03/2076	गुरु	01/04/2095	शनि	01/04/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।